भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 254

जिसका उत्तर 03 फरवरी, 2023 को दिया जाना है।

14 माघ, 1944 (शक)

जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

254. श्रीमती फूलो देवी नेतम :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का किन-किन क्षेत्रों में उपयोग किया जा रहा है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त क्षेत्र की वार्षिक वृद्धि दर सहित रोजगार की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते चलन को देखते हुए समस्याओं को हल करने के लिए एक नियामक निकाय स्थापित करने पर विचार कर रही है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क): जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का आशय नई सामग्री बनाने के लिए मौजूदा टेक्स्ट , ऑडियो फाइलों या छवियों का उपयोग करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -सक्षम मशीनों की क्षमता से है। जनरेटिव एआई का उपयोग अभी भी अपने प्रारंभिक चरण में है , और प्रौद्योगिकी में विकास और सुधार के साथ साथ इसका प्रभाव बढ़ने की संभावना है । सरकार इन प्रौद्योगिकियों के उद्भव और शिक्षा , विनिर्माण , स्वास्थ्य देखभाल , वित्त जैसे एवं अन्य क्षेत्रों में उनके तेजी से प्रसार के बारे में जागरूक है। सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था , निवेश और नौकरियों के विकास के लिए एक गतिज सम्बल के रूप में मानती है। सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुसंधान और इसे अपनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के उद्देश्य से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए राष्ट्रीय रणनीति प्रकाशित की है। इसके बाद 'मेक एआई इन इंडिया एंड मेक एआई वर्क फॉर इंडिया ' की दृष्टि से , एमईआईटीवाई ने एआई आधारित समाधानों के विकास के लिए

और सभी के लिए # एआई के जिम्मेदारीपूर्ण और परिवर्तनकारी उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर राष्ट्रीय कार्यक्रम ' के कार्यान्वयन को मंजूरी दी है । इसके अलावा , विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग इंटरडिसिप्लिनरी साइबर -फिजिकल सिस्टम्स (एनएम -आईसीपीएस) पर राष्ट्रीय मिशन को लागू कर रहा है। इस मिशन के तहत , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (टीआईएच) स्थापित किया गया है , जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अगली पीढ़ी के वैज्ञानिक , इंजीनियर , तकनीशियन और टेक्नोक्रेट के निर्माण के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करना है। ।

(ख): जनरेटिव एआई रोजगार पर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। हालाँकि , नैसकाम के आंकड़ों के अनुसार , भारत में समग्र एआई रोजगार का अनुमान लगभग 416,000 पेशेवरों का है। इस क्षेत्र की विकास दर लगभग 20-25% अनुमानित है। इसके अलावा , एआई से 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त 957 बिलियन अमरीकी डालर का योगदान होने की उम्मीद है।

(ग): जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित प्रौद्योगिकियां अभी भी विकसित हो रही हैं ; वर्तमान में , जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए कोई विशिष्ट नियमन नहीं है। हालाँकि , एआई का विकास और परिनियोजन गोपनीयता , डेटा सुरक्षा , बौद्धिक संपदा और साइबर सुरक्षा से संबंधित कानूनों और नीतियों के माध्यम से नियंत्रित होता है।

*****